13. मैं सबसे छोटी होऊँ

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा अंचल पकड़-पकड़कर
फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ!
बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती है मात!
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात!
अपने कर से खिला, धुला मुख,
धूल पोंछ, सज्जित कर गात,
थमा खिलौने, नहीं सुनाती
हमें सुखद परियों की बात!
ऐसी बड़ी न होऊँ मैं
तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय,
कहूँ – दिखा दे चंद्रोदय!

❑ *सुमित्रानंदन पंत*

© NCERT not to be republished

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

1. कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है?
2. कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है?
3. कविता में किसके आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है और क्यों?
4. आशय स्पष्ट करो–

   हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
   साथ नहीं फिरती दिन-रात!

कविता से आगे

1. कविता से पता करके लिखो कि माँ बच्चों के लिए क्या-क्या काम करती है? तुम स्वयं सोचकर यह भी लिखो कि बच्चों को माँ के लिए क्या-क्या करना चाहिए?
2. बच्चों को प्रायः सभी क्षेत्रों में बड़ा होने के लिए कहा जाता है। इस कविता में बालिका सबसे छोटी बनी रहना क्यों चाहती है?

अनुमान और कल्पना

1. इस कविता के अंत में कवि माँ से चंद्रोदय दिखा देने की बात क्यों कर रहा है? अनुमान लगाओ और अपने शिक्षक को सुनाओ।
2. इस कविता को पढ़कर इसमें आए तथ्यों और अपनी कल्पना से एक कहानी लिखकर दोस्तों को दिखाओ।

© NCERT not to be republished

भाषा की बात

1. 'पकड़-पकड़कर' की तरह नीचे लिखे शब्दों को पूरा करो और उनसे वाक्य भी बनाओ–

छोड़	–	बना	–
फिर	–	खिला	–
पोंछ	–	थमा	–
सुना	–	कह	–
दिखा	–	छिपा	–

2. इन शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखो–

हाथ	–
सदा	–
मुख	–
माता	–
स्नेह	–

3. कविता में 'दिन-रात' शब्द आया है। तुम भी ऐसे पाँच शब्द सोचकर लिखो जिनमें किसी शब्द का विलोम शब्द भी शामिल हो और उनके वाक्य बनाओ।
4. 'निर्भय' शब्द में 'नि' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाया गया है। तुम भी 'नि' उपसर्ग से पाँच शब्द बनाओ।
5. कविता की किन्हीं चार पंक्तियों को गद्य में लिखो।

ध्यान देने योग्य शब्द

अंचल	–	वस्त्र का छोर, साड़ी, ओढ़नी आदि का वह छोर जो छाती और पेट पर रहता है
गात	–	शरीर
निस्पृह	–	इच्छा रहित
निर्भय	–	निडर

© NCERT not to be republished